यूपी में शुगर प्रॉडक्शन बढ़ने से महाराष्ट्र की मिलें परेशान

कुछ राज्यों में महाराष्ट्र की चीनी मिलों का बिजनेस झटक सकता है उत्तर प्रदेश

[जयश्री भोसले | पुणे]

महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री अधिक प्रॉडक्शन से त्रस्त है। उसने उत्तर प्रदेश में अपना पारंपरिक घरेलू बाजार भी गंवा दिया है। राज्य में प्रॉडक्शन पिछले साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है। ऐसे में इंडस्ट्री अब खुद को बचाने के लिए एक्सपोर्ट मार्केट का रुख कर रही है। शुगर इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में शुगर प्रॉडक्शन पिछले साल के रिकॉर्ड लेवल की तरफ बढ़ रहा है।

ऐसे में यूपी सहित कुछ दूसरे राज्यों में महाराष्ट्र से चीनी की सप्लाई रुक जाएगी, जिससे वहां की चीनी मिलों की आर्थिक हालत खराब हो सकती है। पिछले तीन साल में महाराष्ट्र को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन के मामले में देश में नंबर वन पोजिशन पर पहुंच गया था। महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय काथल ने कहा, 'उत्तर-पूर्वी और उत्तर भारत में यूपी ने हमारे कारोबार पर कब्जा कर लिया है। इसलिए हमारी शुगर की कोई डिमांड नहीं है। पिछले दो से तीन वर्ष में यूपी का सालाना कुल शुगर प्रॉडक्शन 65 लाख क्विंटल की औसत से 120 लाख क्विंटल पर पहुंचा है।

लगेगी चपत

- उत्तर प्रदेश में शुगर प्रॉडक्शन पिछले साल के रिकॉर्ड लेवल की तरफ बढ़ रहा है, इससे यूपी सहित कुछ दूसरे राज्यों में महाराष्ट्र से चीनी की सप्लाई रुक जाएगी जिससे वहां की चीनी मिलों की आर्थिक हालत खराब हो सकती है

उसने भारत के पूर्वी इलाकों और उत्तर-पूर्वी और उत्तर भारत के कुछ राज्यों के बाजार हमसे छीन लिए हैं। महाराष्ट्र की शुगर मिलें शिकायत कर रही हैं कि यूपी अच्छी क्वॉलिटी की चीनी कम दाम पर बेच रहा है। उनका डिलीवरी समय भी कम है। खरीदारों को उत्तर प्रदेश से ट्रकों के जरिए जो शुगर मिल रही है, उनके बोरे भी महाराष्ट्र की मिलों से ट्रेन के जरिए भेजी जानी वाली शुगर के बोरों के मुकाबले गुणवत्ता में बेहतर हैं।'

महाराष्ट्र अकेले ही करीब 24-25 लाख क्विटंल शुगर की खपत करता है। राज्य का 2017-18 में शुगर प्रॉडक्शन 107 लाख क्विंटल रहा था और मौजूदा सीजन में उसके पास 96.5 लाख क्विंटल का स्टॉक है।

मिलों पर अधिक शुगर प्रॉडक्शन का दबाव पड़ रहा है। संजय ने कहा, 'यह बहुत चिंताजनक है कि हम महाराष्ट्र में शुगर प्रॉडक्शन को कैसे नियंत्रित करें, जो देश में अकेले ही अधिक सप्लाई से जूझ रहा है।

हमें शुगर एक्सपोर्ट पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। राज्य की मिलों को गन्ना किसानों का काफी बकाया चुकाना है। इस महीने राज्य में एक और निजी चीनी मिल शुरू होने जा रही है, जिससे मिलों की संख्या बढ़कर 194 हो जाएगी। वहीं, राज्य सरकार आर्थिक तंगी में फंसी कुछ चीनी मिलों को रिवाइव करने की भी कोशिश कर रही है।

Economic Times
18/3/2019